दिनांक 15.08.2025
प्रेस विज्ञप्ति 22/2025

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश।

स्वतंत्रता दिवस–2025 के अवसर पर पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया ध्वजारोहण

श्री राजीव कृष्णा, पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा आज दिनांक 15.08.2025 को तिलक मार्ग, स्थित कैम्प कार्यालय, लखनऊ में **स्वतंत्रता दिवस** के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनायें दी गयीं।

तत्पश्चात पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 महोदय द्वारा पुलिस मुख्यालय गोमती नगर विस्तार के प्रांगण में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 द्वारा सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को शुभकामनायें देते हुए मुख्यालय में नियुक्त निम्न पुलिस कार्मिकों को पदक से अलंकृत किया गयाः–

उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिन्हः–

1. श्री रायबहादुर सिंह, उपनिरीक्षक, कानून व्यवस्था शाखा, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक उ0प्र0।

सराहनीय सेवा सम्मान चिन्हः–

1. श्री धीरेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक, परिवहन शाखा मुख्यालय पुलिस महानिदेशक उ0प्र0।

पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 का प्रशंसा चिन्ह–गोल्डः–

1. श्री अंकित कुमार, आरक्षी सुरक्षा शाखा, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक उ0प्र0।

पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 का प्रशंसा चिन्ह–सिल्वरः–

1. श्री ओम प्रकाश गुप्ता, उपनिरीक्षक, कानून व्यवस्था शाखा, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक उ0प्र0।
2. श्री अवधेश कुमार, आरक्षी, गोपनीय कार्यालय एसओ टू डीजीपी, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक उ0प्र0।
3. श्री बब्बन यादव, आरक्षी चालक, परिवहन शाखा मुख्यालय पुलिस महानिदेशक उ0प्र0।

पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा उक्त अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा गया कि :–

मेरे प्यारे साथियों, भारत हमारी मातृभूमि, भावभूमि और आत्मा है।इसके हर अंश में बलिदान की आभा है और भविष्य की आकांक्षा है और पुलिस उसकी अडिग प्रहरी है।

आज, स्वतंत्रता दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर मैं भारत और भारतीयता को अपना सर्वस्व मानने वाले हर नागरिक को, लोकतंत्र और संविधान की मर्यादा को जीवन का धर्म मानने वाले हर भारत–भक्त को, और उत्तर प्रदेश पुलिस परिवार के प्रत्येक साहसी प्रहरी तथा उनके गौरवशाली परिजनों को हृदय से शुभकामनाएं और ससम्मान अभिनंदन अर्पित करता हूं।

स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल राजनीतिक आज़ादी या मतदान का अधिकार भर नहीं है, बल्कि यह एक बहुआयामी अवधारणा है, जो व्यक्ति के मन और जीवन से भय, असुरक्षा, भेदभाव और अन्याय के सभी स्वरूपों को दूर करने से पूर्ण होती है। इस व्यापक और वास्तविक स्वतंत्रता को सुरक्षित रखने में पुलिस की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

पुलिस न केवल कानून–व्यवस्था बनाए रखने का कार्य करती है, बल्कि नागरिकों के मन से भय को समाप्त कर उन्हें आत्मविश्वास और सुरक्षा का अनुभव कराती है। अपराध पर नियंत्रण, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सांप्रदायिक सद्भाव की रक्षा, साइबर अपराध पर अंकुश और आपात स्थितियों में त्वरित सहायता कृ ये सभी कार्य स्वतंत्रता के उन पहलुओं को मजबूती देते हैं, जो केवल संवैधानिक अधिकार नहीं, बल्कि नागरिक जीवन के मूलभूत आधार हैं।

साथियों यह गर्व की बात है कि इस वर्ष, 17 पुलिस कार्मिकों को राष्ट्रपति का वीरता पदक, 06 को विशिष्ट सेवा पदक और 72 को सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 763 पुलिस कर्मियों को अति उत्कृष्ट सेवा पदक, 486 को उत्कृ ष्ट सेवा पदक, 44 को उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिह्न, 203 को सराहनीय सेवा सम्मान चिह्न और 464 को पुलिस महानिदेशक का हीरक, स्वर्ण एवं रजत प्रशंसा चिह्न प्राप्त हुआ है।

ये अलंकरण केवल धातु के प्रतीक नहीं, बल्कि आपके त्याग और तपस्या के अमर प्रमाण हैं। इन सभी अलंकृत साथियों और उनके गौरवशाली परिजनों को मेरी ओर से हार्दिक बधाई और अभिनंदन!

माननीय मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में भ्रष्टाचार और अपराध के विरुद्ध हमारी जीरो टॉलरेंस नीति जमीनी हकीकत बन चुकी है।आज, संगठित अपराध की कमर टूट चुकी है। जो कल भय का पर्याय थे, आज भयभीत हैं। अपराधी बेहाल हैं, और आमजन खुशहाल हैं। UP STF, ATS, ANTF और जिला पुलिस को विशेष बधाई, जिसने माफिया और संगठित अपराध के साम्राज्य को जड़ से उखाड़ फेंका है।

साथियों, मैने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक का पदभार ग्रहण करने के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस हेतु दस प्राथमिकतों का निर्धारण किया है। उत्तर प्रदेश पुलिस को श्रेष्ठतम पुलिस बनाने के लिये हमे अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट और अटूट बनाए रखना होगा। हम अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर अडिग रहेंगे, महिलाओं के सशक्तिकरण और संरक्षण को अपना मिशन बनाएंगे, और हर नागरिक की शिकायत को संवेदनशीलता व तत्परता से हल करेंगे।

हम कानून–व्यवस्था को हर कीमत पर कायम रखेंगे, और साइबर अपराध के बढ़ते खतरे का मुकाबला अत्याधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शक्ति से करेंगे।

हमारी पुलिस सेवाएँ न केवल बेहतर होंगी, बल्कि हर नागरिक के लिए भरोसेमंद बनेंगी। हम अपने कर्मियों के कल्याण पर विशेष ध्यान देंगे, उनकी प्रतिभा और विशेषज्ञता का सर्वोत्तम उपयोग करेंगे, और निरंतर प्रशिक्षण से अपनी क्षमता को निखारते रहेंगे।

यह दस प्राथमिकताएँ ही हमारी 'Beacon Light' है, जो हर परिस्थिति में हमारा मार्गदर्शन करेंगी और हमें उस मंज़िल तक पहुँचाएँगी, जहाँ उत्तर प्रदेश का हर नागरिक गर्व से पूरे विश्व में उत्तर प्रदेश पुलिस का नाम ले सकेगा।

मुझे गर्व है कि माननीय मुख्यमंत्री जी के सतत मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने 60,244 आरक्षियों की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ सम्पन्न कराकर उत्तर प्रदेश पुलिस को एक नई शक्ति दी है। सभी नव–भर्ती जवान प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु अपनी अपनी आरटीसी में ज्वाइन कर चुके हैं।

उत्तर प्रदेश पुलिस के नए भर्ती साथियों के प्रशिक्षण में इस बार एक Paradigm Shift हुआ है। हाल ही में भर्ती हुए 60,244आरक्षियों का प्रशिक्षण पारंपरिक ढांचे से हटकर हाइब्रिड मोड में दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में अब केवल शारीरिक दक्षता और कानून की जानकारी तक सीमित न रहकर, तकनीकी कौशल, साइबर अपराध की जांच, समुदाय के साथ संवेदनशील संवाद, और परिस्थितिजन्य निर्णय क्षमता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सिम्युलेशन–आधारित अभ्यास, डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समर्थित प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से अभ्यर्थियों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है। यह बदलाव न केवल प्रशिक्षण पद्धति का कायाकल्प है, बल्कि 'नई पीढ़ी की नई पुलिस' तैयार करने की दिशा में एक ठोस कदम है। हमारा उद्देश्य है कि प्रत्येक अभ्यर्थी को Professional Training के साथ Dignified living भी मिले।

साथियों, वर्ष 2017 से अब तक कुख्यात माफियाओं में से 34 माफिया और उनके 91 सहयोगी दोषी सिद्ध हो चुके हैं, जिनमें से 2को मृत्युदंड मिला है। गैंगेस्टर अधिनियम के अंतर्गत कुल ₹144 अरब से अधिक की अवैध संपत्ति जब्त हुई। यह उत्तर प्रदेश सरकार के साहस और संकल्प की ऐतिहासिक मिसाल है।

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत दिनाँकः 01.07.2023 से 21.07.2025 तक 1 लाख से अधिक अभियुक्तों को दोषसिद्ध कराया गया है । मा0 न्यायालय में सघन पैरवी करते हुए 70 अभियुक्तों को मृत्युदण्ड एवं 8,785 अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा दिलायी गई है। यह आंकड़े केवल संख्या नहीं, बल्कि अपराध के विरुद्ध हमारी अडिग प्रतिज्ञा के प्रमाण हैं।

साथियों, महिला सुरक्षा केवल हमारी प्राथमिकता नहीं, बल्कि हमारी पहचान है। मिशन शक्ति के अंतर्गत, आज उत्तर प्रदेश की मातृशक्ति स्वयं को सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस कर रही है।

UP–112 ने हमारी गतिशीलता को गति, रिस्पॉन्स टाइम को रफ्तार और फुट पेट्रोलिंग को प्रभावशाली उपस्थिति में बदल दिया है। गली–गली, मोड़–मोड़, चौक–चौराहे पर पुलिस की छवि अब सुरक्षा का चेहरा है। जिसने अपराध पर प्रहार और जनता से

संवाद दोनों को मजबूती दी है। हमारी 112 हेल्पलाइन अब देश की सर्वश्रेष्ठ इमरजेंसी सेवा है। वीमेन पावर लाइन 1090, GRP, फायर सर्विस, महिला हेल्पलाइन 181, एम्बुलेंस सेवा 108, परिवहन हेल्पलाइन और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 सब एक ही मंच पर। एक कॉल और मदद के सभी द्वार खुल जाते हैं।

साथियो, हमने तकनीक को सिर्फ मशीनों की भाषा तक सीमित नहीं रखा –हमने उसे जीवन–रक्षक संवेदना में बदल दिया है। पुलिस मुख्यालय का सोशल मीडिया सेंटर देश में पहला है, जिसने सोशल मीडिया पर आत्महत्या संबंधी पोस्ट का तुरंत संज्ञान लेकर, जनपदीय पुलिस की त्वरित कार्रवाई से 1 जनवरी 2023 से 12 अगस्त 2025 के बीच 1257 लोगों के प्राण बचाए हैं। यह न केवल हमारी संवेदनशीलता का प्रमाण है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक Global Best Practice भी है जिसके लिए उत्तर प्रदेश पुलिस की सोशल मीडिया की समस्त टीम बधाई की पात्र है।

साथियो, यह सफलता कोई आकस्मिक उपलब्धि नहीं, बल्कि माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पुलिस की निरंतर मेहनत, सुदृढ़ व्यवस्था और 'Reform, Perform, Transform के मंत्र पर आधारित हमारी अटूट प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है।"

आज की उत्तर प्रदेश पुलिस केवल एक सुरक्षा बल नहीं, बल्कि विश्वसनीयता, अनुशासन और आधुनिकता का प्रतीक बन चुकी है।

आज हम केवल अपराध से लड़ने वाली पुलिस नहीं, बल्कि विश्वास जगाने वाली मित्र पुलिस के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहे हैं।

स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 पर उत्तर प्रदेश को अत्याधुनिक, संवेदनशील और सशक्त पुलिसिंग का वैश्विक मानक बनाना हमारा लक्ष्य है।

हमारी सफलता का अंतिम मापदंड एक मुस्कुराता हुआ, आत्मविश्वास से भरा और सुरक्षित नागरिक होगा। आइए, आज के पावन अवसर पर हम सभी यह प्रतिज्ञा करें कि उत्तर प्रदेश पुलिस की नयी पहचान, नयी ऊर्जा और नयी विश्वसनीयता आने वाले कल में भी कानून के प्रति अटूट आस्था और नागरिक सुरक्षा की अमिट गारंटी बनी रहेगी।

जय हिंद!

79th
स्वतंत्रता दिवस 202

उत्तर प्रदेश पुलिस
79th
स्वतंत्रता दिवस

79th
RAJEEV KRISHNA
उत्तर प्रदेश पुलिस

दिनांक 15.08.2025
प्रेस विज्ञप्ति 23/2025

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश।

"ऑपरेशन –सवेरा" : "नशे के अंधकार से, जीवन के उजाले की ओर"

मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा प्रदेश को नशा मुक्त करने के निर्देश दिये गये है। उक्त आदेश के कम में **श्री राजीव कृष्णा पुलिस महानिदेशक उ0प्र0** द्वारा प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों को नशामुक्त अभियान चलाने के निर्देश दिये गये, जिसके अनुपालन में पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र, सहारनपुर द्वारा सहारनपुर परिक्षेत्र में नशे के परिपेक्ष्य में **"ऑपरेशन–सवेरा"** की शुरुआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य नशे के अवैध व्यापार में संलिप्त अपराधियों पर सख्त कार्यवाही करते हुए समाज को नशामुक्त और सुरक्षित बनाना है।

ऑपरेशन के मुख्य उद्देश्यः

1. ऑपरेशन सवेरा के अन्तर्गत परिक्षेत्र सहारनपुर के तीनो जनपदों में नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त अवैध नशे के मैन्यूफैक्चर्स, मध्यस्थ, सप्लायर्स तथा पैडलर्स के विरूद्ध अभियान चलाकर पुलिस कार्यवाही की जायेगी ।
2. नशे के अवैध कारोबार में लिप्त अपराधियों के नेटवर्क को ध्वस्त करने हेतु फारवर्ड तथा बैकवर्ड लिकेंजेज को टारगेट कर समाप्त करना।
3. नशीले पदार्थो तथा नशीली दवाओ के माफिया के विरूद्ध सख्त विधिक कार्यवाही की जायेगी ।
4. नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त अपराधियो द्वारा अर्जित सम्पत्ति का जब्तीकरण किया जायेगा ।
5. सभी प्रकार के नशे के दुष्परिणामों के प्रति समाज में विशेषकर विद्यार्थियों मे जागरूकता पैदा करने के लिए जागरूकता अभियान चलाये जायेंगे ।
6. माननीय न्यायालय में NDPS ACT के अन्तर्गत प्रचलित अभियोगो की समीक्षा कर इस प्रकार के अभियोगो में दोषी को सजा कराने हेतु **"ऑपरेशन कन्विक्शन"** के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी।
7. अवैध **"नशे का कारोबार"** के मुख्य किंगपिन के विरूद्ध PITNDPS कानून के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी।
8. नशामुक्ति केन्द्रों का भ्रमण कर नशाग्रस्त उपाचाराधीन व्यक्तियों से नशामुक्ति केन्द्रों पर उपलब्ध सुविधाओं तथा समस्याओं के सम्बन्ध में जानकारी कर सम्बन्धित विभागो से समन्वय स्थापित कर नशाग्रस्त उपचाराधीन व्यक्तियों को राहत पहुँचाना।

संदेशः–

''ऑपरेशन–सवेरा'' न केवल अपराधियों पर सख्त कार्रवाई का संकल्प है, बल्कि समाज को नशे के जाल से मुक्त कर एक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की ओर ले जाने की पहल है। सहारनपुर परिक्षेत्र पुलिस इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है ।